सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
● वर्षः 12 ● अंक 99 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 15 मई, 2026

दुनिया में कोई भी चीज कभी भी पूरी तरह से गलत नहीं होती। यहां तक की रुकी हुई घड़ी भी दिन में दो बार सही होती है।

-पाओलो कोएलो

पंजाब किंग्स को मिली लगातार... 7 | बंगाल में नई नियुक्ति पर उठे... 3 | आगे बढ़ना है तो साइकिल ही... 2

महंगाई मैन बनाकर पीएम मोदी पर कांग्रेस का प्रहार

पेट्रोल-डीजल 3 रुपये प्रति लीटर महंगा

- दूध पर 2 रूपये प्रति लीटर की दर से बढ़ चुके हैं दाम
- सोने पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई जा चुकी है, चीनी निर्यात पर रोक लग चुकी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में महंगाई अब सिर्फ आर्थिक संकट नहीं रही यह धीरे-धीरे आम आदमी की जिंदगी पर सरकारी कब्जे की कहानी बनती जा रही है। पहले सोने पर एक्साइज बढ़ी फिर चीनी निर्यात पर रोक लगी उसके बाद कामर्शियल गैस सिलेंडर महंगे हुए और अब पेट्रोल-डीजल पर प्रति लीटर तीन रुपये की नई चोट। दूध के दाम प्रति 2 रूपये लीटर की दर से पहले ही इन्क्रीज हो चुके हैं। सरकार इसे मजबूरी बता रही है लेकिन विपक्ष इसे चुनाव खत्म वसूली अभियान की शुरूआत का नाम दे रहा है।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री को सीधे-सीधे महंगाई मैन कहकर हमला बोला है और यही शब्द अब देश की चाय की दुकानों से लेकर सोशल मीडिया तक तैरने लगा है। सवाल सिर्फ तीन रुपये का नहीं है सवाल उस सुनामी का है जो इन तीन रुपयों के पीछे छिपी हुई है। क्योंकि देश में पेट्रोल और डीजल सिर्फ वाहन नहीं चलाते यह पूरे बाजार की धड़कन हैं। ट्रक चलेगा तो सब्जी पहुंचेगी डीजल जलेगा तो फैक्ट्री चलेगी माल ढुलाई बढ़ेगी तो दूध से लेकर दाल तक सब महंगा होगा। यानी यह सिर्फ तेल नहीं बढ़ा रसोई का बजट फटा है। घर की थाली पर हमला हुआ है। मध्यम वर्ग की जेब पर बारूद रखा गया है।

चुनाव खत्म होते ही वसूली शुरू कर दी गई : जयराम

कांग्रेस ने पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर सीधा हमला बोल दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम नरेश ने आरोप लगाएं है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल सस्ता था तब सरकार ने जनता को कोई राहत क्यों नहीं दी लेकिन अब चुनाव खत्म होते ही वसूली शुरू कर दी गई। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को महंगाई मैन बताते हुए कहा कि जनता पर फिर हंटर चलाया गया है। पार्टी का आरोप है कि पहले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर महंगे किए गए और अब पेट्रोल-डीजल तथा सीएनजी के दाम बढ़ाकर आम आदमी की कमर तोड़ने की तैयारी कर दी गई है। जयराम रमेश ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध का हवाला देकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। उनका कहना है कि तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई और बढ़ेगी और इसका सीधा असर विकास दर पर पड़ेगा। राजनीतिक तौर पर भी यह मुद्दा आने वाले महीनों में बड़ा विस्फोट बन सकता है। क्योंकि पेट्रोल-डीजल की कीमतें वह मुद्दा हैं जो सीधे हर वर्ग को प्रभावित करती हैं। किसान से व्यापारी तक नौकरीपेशा से गृहिणी तक हर कोई इसकी मार महसूस करता है।

महंगाई मैन बनाम आम आदमी कांग्रेस का हमला

पहले से ही बनाई गई भूमिका

बीते कुछ महीनों में सरकार ने जिस तरह जनता को मानसिक रूप से तैयार किया वह भी कम दिलचस्प नहीं। पहले प्रधानमंत्री ने लाइफस्टाइल बदलने की सलाह दी। फिर युद्ध वैश्विक संकट और अंतरराष्ट्रीय बाजार का माहौल बनाया गया। टीवी डिबेट्स में बताया गया कि तेल महंगा हो सकता है। लोगों को धीरे-धीरे इस दर्द के लिए अभ्यस्त किया गया। और फिर अचानक कीमतें बढ़ा दी गईं। यानी पहले माहौल तैयार किया गया फिर जेब पर वार किया गया। आने वाले समय की तस्वीर और डरावनी दिखाई दे रही है। पेट्रोल-डीजल महंगे होने का मतलब सिर्फ वाहन खर्च नहीं बढ़ना है। इसका सीधा असर खाने की थाली बच्चों की फीस घर के किराए बिजली के बिल और दवाइयों तक पड़ेगा। माल भाड़ा बढ़ेगा बाजार महंगा होगा और छोटे कारोबारियों की कमर टूटेगी। जिन घरों में पहले महीने के अंत तक कुछ बच जाता था वहां अब कटौती नया बजट बनेगी। अर्थशास्त्री साफ चेतावनी दे रहे हैं कि अगर यही हाल रहा तो आने वाले महीनों में खुदरा महंगाई छह प्रतिशत के पार जा सकती है। विकास दर धीमी होगी रोजगार और कमजोर होंगे और आम आदमी की क्रय शक्ति टूटेगी। यानी विकास का नारा अब सीधे जीवन यापन की लड़ाई में बदलता दिख रहा है।

मनोवैज्ञानिक खेल या आर्थिक मजबूरी?

सरकार को जनता के दिमाग के साथ खेलना अच्छे तरीके से आता है। बीते कुछ दिनों में लगातार ऐसा माहौल बनाया गया कि तेल की कीमतें बढ़ना तय है। टीवी चैनलों पर युद्ध, अंतरराष्ट्रीय संकट और तेल बाजार की चर्चा तेज कर दी गई। जनता को धीरे-धीरे मानसिक रूप से तैयार किया गया कि महंगाई आने वाली है। और फिर वही हुआ जिसका डर दिखाया जा रहा था। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए गए। उससे पहले गैस सिलेंडर महंगे हो चुके थे। यानी एक-एक करके हर जरूरी चीज पर बोझ डाला गया, लेकिन इस तरह कि जनता में अचानक विस्फोटक गुस्सा पैदा न हो। लोगों की प्रतिक्रियाएं भी अब मजबूरी की तस्वीर पेश कर रही हैं। कोई कह रहा है कि सरकार जो कर रही है देशहित में कर रही होगी। कोई कह रहा है कि महंगाई पहले ही बहुत ज्यादा है और अब खर्च संभालना मुश्किल होगा। वहीं कई लोग साफ कह रहे हैं कि डीजल महंगा होने का मतलब हर चीज महंगी होना तय है। असल डर यही है कि यह सिर्फ शुरुआत है। अगर तेल महंगा हुआ है तो आने वाले महीनों में बाजार की हर चीज धीरे-धीरे ऊपर जाएगी। और तब शायद देश का सबसे बड़ा सवाल यही होगा कमाई वही है लेकिन जिंदगी इतनी महंगी क्यों हो गई?

आगे बढ़ना है तो साइकिल ही विकल्प : अखिलेश यादव

पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ने पर भाजपा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश की तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बड़ा इजाफा किया है। इसको लेकर यूपी से लेकर दिल्ली तक सियासी संग्राम मच गया है। सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर करारा वर किया है। बता दें पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम सीधे तौर पर तीन-तीन रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए गए हैं। इसके अलावा सीएनजी पर कीमत भी बढ़ाई गई हैं।

महंगाई की मार पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर हमला किया है। आम जनता को 15 मई की सुबह महंगाई का एक बड़ा झटका लगा है। पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि के साथ-साथ सीएनजी (संपीड़ित प्राकृतिक गैस) भी महंगी हो गई है। इस बढ़ोतरी ने आम आदमी के बजट को और भी प्रभावित किया है। महंगाई के झटके पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज किया है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि आगे बढ़ना है तो साइकिल ही विकल्प है।

लखनऊ में पेट्रोल का दाम 2 रुपये 84 पैसा और डीजल के दामों में 3.०1 रुपये की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही आम जनता को अब पेट्रोल 97.55 रुपये प्रति लीटर और डीजल 9० पये 82 पैसा प्रति लीटर उपलब्ध होगा। इसके साथ ही सीएनजी के दामों में भी बढ़ोतरी की गई है। लखनऊ में सीएनजी के दाम भी दो रुपये बढ़ाए गए हैं। लखनऊ में अभी सीएनजी की कीमत 98 रुपये प्रतिकिलो है। ग्रीन गैस लिमिटेड के एजीएम प्रवीण सिंह ने बताया कि लखनऊ, अयोध्या सुल्तानपुर, उन्नाव और आगरा में सीएनजी के पुराने दाम ही लागू होंगे। हालांकि, सीएनजी के दाम जब रिवाइज हुए थे तभी 2 रुपए बढ़ गए थे। उसके बाद से यही कीमत है। दिल्ली में सीएनजी की कीमत में दो रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गई है। इसके साथ ही, दिल्ली में सीएनजी की नई कीमत अब 79.09 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। यह वृद्धि तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

राजकुमार भाटी के बयान के बाद आ रहे इस्तीफे

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की चुनौती बढ़ती दिख रही है। इसी साल मार्च में सपा चीफ ने जिस जिले में साल 27 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के लिए अपनी सबसे पहली सियासी रैली की थी, अब वहीं से इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है। गौतमबुद्धनगर स्थित दादरी में 29 मार्च को अखिलेश ने रैली की थी। इस रैली के कर्ता-धर्ता राजकुमार भाटी को माना गया। अब ग्रेटर नोएडा में ब्राह्मण समाज पर कथित अशोभनीय टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज भाटी और सचिव शोभाराम चंदीला ने समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। स्वर्ण नगरी स्थित प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में दोनों नेताओं ने अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से समाजवादी पार्टी से जुड़े रहे हैं. मनोज भाटी सपा अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव भी रहे हैं, जबकि शोभाराम चंदीला पार्टी के पुराने कार्यकर्ता हैं. उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के हितों को सर्वोपरि रखते हुए उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने का फैसला लिया है।

ब्राह्मणों से माफी मांगें अखिलेश यादव : मायावती

» बसपा ने सपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मांग की है कि उन्हें सपा प्रवक्ता की ब्राह्मणों पर की गई टिप्पणी के लिए ब्राह्मण समाज से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सर्वसमाज का हित सिर्फ बसपा में ही सुरक्षित है। बसपा यूज एंड थ्रो की नीति नहीं अपनाती है।

उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के एक प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता द्वारा अभी हाल ही में ब्राह्मण समाज को लेकर की गयी अभद्र, अशोभनीय एवं आपत्तिजनक टिप्पणी व बयानबाज़ी आदि को लेकर हर तरफ उपजा भारी आक्रोश व उसकी तीव्र निन्दा स्वाभाविक ही है तथा इस विवाद के फलस्वरूप पुलिस द्वारा मुक़दमा दर्ज किये जाने के बाद भी यह मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। किन्तु संकीर्ण जातिवादी राजनीति करने वाली सपा के नेतृत्व की इस मामले को लेकर खामोशी से भी मामला और अधिक गंभीर होकर काफी तूल पकड़ता जा रहा है। स्थिति भी तनावपूर्ण होती जा रही है। वैसे भी सपा प्रवक्ता के ग़ैर-जिम्मेदाराना बयान से ब्राह्मण समाज के आदर-सम्मान व स्वाभिमान को जो ठेस पहुंची है उसको गंभीरता से लेते हुए सपा मुखिया को इसका तत्काल संज्ञान लेकर ब्राह्मण समाज से क्षमा याचना व पश्चाताप कर लेना चाहिये तो यह संभवत: उचित होगा।

इसके अलावा, इस ताजा प्रकरण से लोगों की नजर में यह भी साबित है कि सपा का खासकर दलितों, अति-पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि की तरह ब्राह्मण समाज-विरोधी भी इनका जातिवादी चाल व चरित्र बदला नहीं है बल्कि और ज्यादा गहरा ही हुआ है तथा इसके साथ ही, ब्राह्मण समाज के प्रति वर्तमान सरकार के रवैयों को लेकर भी जो जबरदस्त नाराजगी इस समाज में देखने को मिल रही है वह भी किसी से छिपा हुआ नहीं है, जबकि यह सर्वविदित है कि बी.एस.पी. द्वारा सर्वसमाज की तरह ब्राह्मण समाज को भी पार्टी व सरकार में भी भरपूर आदर-सम्मान देने के साथ-साथ हर स्तर पर उन्हें उचित भागीदारी भी दी गयी है अर्थात बी.एस.पी. में यूज़ एण्ड थ्रो नहीं है बल्कि सर्वसमाज का हित हमेशा सुरक्षित रहा है।

सतीशन के आने से संघवाद होगा मजबूत : सिद्धारमैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को कांग्रेस नेता वी डी सतीशान को केरल में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता और राज्य के अगले मुख्यमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। एक पोस्ट में सिद्धारमैया ने सतीशान की लंबी राजनीतिक यात्रा की प्रशंसा की और उनके नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त किया। सिद्धारमैया ने लिखा कि वीडी सतीशान को केरल में कांग्रेस विधायक दल के नेता और केरल के अगले मुख्यमंत्री चुने जाने पर बधाई।

सतीशान के अनुभव पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि नेता छह बार विधायक रह चुके हैं और पूर्व में विपक्ष के नेता रह चुके हैं, साथ ही एनएसयूआई के माध्यम से छात्र राजनीति में उनका लंबा अनुभव है। उन्होंने कहा कि छह बार विधायक रह चुके, 21 से 26 तक विपक्ष के पूर्व नेता और एनएसयूआई में छात्र राजनीति से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले नेता श्री सतीशान दशकों का विधायी अनुभव, संगठनात्मक प्रतिबद्धता और जनता की

आकांक्षाओं की गहरी समझ रखते हैं। सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि वे संघवाद को मजबूत करने और कर्नाटक, केरल और यहाँ की जनता के हितों की रक्षा के लिए नए नेतृत्व के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में केरल में धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय, कल्याण और समावेशी विकास के प्रति समर्पित सरकार बनेगी, और मैं संघवाद की भावना को कायम रखने और कर्नाटक, केरल और यहाँ की जनता के साझा हितों की रक्षा के लिए उनके साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूँ। मेरी शुभकामनाएं उन्हें और केरल की जनता को।

विपक्ष को सार्वजनिक मुद्दों को उठाने से रोकने के लिए झूठे केस किए गए : तेजस्वी

एमपी-एमएलए अदालत से कोविड-19 महामारी केस में मिली राजद नेता को जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को पटना की एमपी-एमएलए अदालत से कोविड-19 महामारी के दौरान हुए एक विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले में जमानत मिल गई। महामारी के दौरान पटना प्रशासन ने धरने से संबंधित कथित उल्लंघनों के आरोप में यह मामला दर्ज किया था। अदालत से बाहर आने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने दावा किया कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है और इसे महामारी के दौरान विपक्ष को सार्वजनिक मुद्दों को उठाने से रोकने के लिए दायर किया गया एक झूठा मामला बताया।

तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें जमानत मिल गई है। आप सभी जानते हैं कि यह मामला प्रशासन द्वारा कोविड काल में दर्ज किया गया था। झूठा मामला इसलिए दर्ज किया गया ताकि

हम उस समय सार्वजनिक मुद्दे न उठा सकें। यह एक विरोध प्रदर्शन से संबंधित था। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान प्रवासी श्रमिकों और आम नागरिकों को झेलनी पड़ी कठिनाइयों को उजागर करने के लिए यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था। तेजस्वी यादव ने कहा कि परिवहन सुविधाओं की कमी के कारण महामारी के दौरान बिहार के कई लोगों को पैदल ही अपने घर लौटना पड़ा और आरोप लगाया कि इस दौरान श्रमिकों को भारी कष्ट सहना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि आप जानते हैं कि बिहार के लोग पैदल लौट रहे थे। ट्रेनों की कोई उचित व्यवस्था नहीं थी। कई मजदूरों को कष्ट सहना पड़ा और उनकी जान चली गई। हमने नियमों का पालन करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और जनता की चिंताओं को उठाया, लेकिन सरकार ने हमारे खिलाफ झूठा मामला दर्ज कर लिया।

आरजेडी नेता इस मामले के सिलसिले में पटना सिविल कोर्ट में पेश हुए थे। यह मामला कोविड-19 महामारी के चरम पर पटना में आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कोविड-संबंधी प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन से जुड़ा है।

केरल में सभी नेताओं को मिलकर करना होगा काम : थरुर

कांग्रेस सांसद ने मुख्यमंत्री चुने जाने पर वी.डी. सतीशन को दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को केरल के मुख्यमंत्री चुने जाने पर वी.डी. सतीशान को बधाई दी और इसे पार्टी और राज्य की जनता के प्रति उनके नेतृत्व, समर्पण और सेवा का पूर्णतम सम्मान बताया। उन्होंने सतीशान की नियुक्ति पर खुशी व्यक्त की और विधानसभा चुनावों के दौरान उनके साथ प्रचार करने की यादें साझा कीं।

उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) की जीत गठबंधन के लिए सामूहिक जनादेश है और सभी वरिष्ठ नेताओं और गठबंधन सहयोगियों से राज्य

की जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। थरूर ने एक पोस्ट में लिखा, वी.डी. सतीशान जी को कांग्रेस विधायक दल के नेता और केरल के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार चुने जाने पर हार्दिक बधाई।

यह उनकी दृढ़ता, दृढ़ विश्वास और हमारी पार्टी और जनता के प्रति वर्षों की समर्पित सेवा का पूर्णतम सम्मान है। मैंने उनके साथ प्रचार किया था और उनकी इस पूर्णतम नियुक्ति से बेहद प्रसन्न हूं। साथ ही, हम सभी यह समझते हैं कि उन्हें सत्ता में लाने वाला जनादेश किसी एक व्यक्ति की जीत नहीं है, बल्कि यह यूडीएफ टीम का जनादेश है। इस सरकार को केरल की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतारने में प्रत्येक वरिष्ठ नेता की महत्वपूर्ण भूमिका और जिम्मेदारी है।

हमारे गठबंधन की ताकत इसकी विविधता में निहित है, और हम सभी एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और प्रगतिशील केरल के निर्माण के लिए सभी घटकों के सहयोग की आशा करते हैं। केरल की जनता ने हम पर भरोसा जताया है। आइए, राज्य को बदलने के लिए मिलकर काम करके इसका सम्मान करें।

बंगाल में नई नियुक्ति पर उठे सवाल

सुवेंदु सरकार बनते ही विवाद भी गहराये

- कांग्रेस, एआईएमआईएम से लेकर टीएमसी ने भाजपा को घेरा
- विपक्ष बोला- चुनाव में मदद का मिला इनाम
- पांचों कैबिनेट मंत्रियों को काम बंटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार बनते ही विवाद भी शुरू हो गया है। राज्य के प्रशासनिक मशीनरी में कुछ नियुक्तियों को लेकर सियासत होने लगी है। इन सबके बीच सुवेंदु सरकार ने कुछ निणर्य लेने शुरू कर दिए हैं जिस पर भी सवाल उठ गया है। वहीं टीएमसी ने सुप्रीमकोर्ट में एसआईआर को लेकर फिर सवाल उठाया। इस पर कोर्ट नये सिरे से आने को कहा।

वहीं सीएम ने पांचों कैबिनेट मंत्रियों को काम बांट दिया। भाजपा की ओर से राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल को मुख्य सचिव नियुक्त किए जाने के बाद सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस नियुक्ति को लेकर चुनाव आयोग और भाजपा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं टीएमसी के विरोध के बाद असदुद्दीन ओवैसी ने भी सवाल खड़े किए थे। इस पूरे मुद्दे पर सीएम शुभेंदु अधिकारी ने खुद जवाब दिया है।

कई निर्णय भी किए गए मंजूर

इससे पहले पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक और नीतिगत उपायों की घोषणा की, जिनमें राज्य को केंद्र की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना में शामिल करना, सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को भूमि का हस्तांतरण और बीएनएस आपराधिक कानून को लागू करना शामिल है। ये निर्णय पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के मंत्रिमंडल की पहली बैठक के दौरान लिए गए, जिसकी अध्यक्षता अधिकारी ने की और जिसमें शपथ लेने वाले पांच मंत्रियों के साथ-साथ वरिष्ठ नौकरशाह भी उपस्थित थे।

टीएमसी और भाजपा के बीच वोटों का अंतर लगभग 32 लाख था और 35 लाख अपीलें अपीलीय न्यायाधिकरणों के समक्ष लंबित हैं : कल्याण

कल्याण बनर्जी ने बताया कि एक निर्वाचन क्षेत्र में एक उम्मीदवार 862 वोटों से हार गया, जहां निर्णय के लिए 5432 से अधिक व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी और भाजपा के बीच वोटों का अंतर लगभग 32 लाख था और लगभग 35 लाख अपीलें अपीलीय न्यायाधिकरणों

के समक्ष लंबित थीं। सांसद ने न्यायमूर्ति बागची द्वारा पहले की गई उस टिप्पणी का भी हवाला दिया कि यदि जीत का अंतर हटाए गए मतदाताओं की संख्या से कम है, तो मामले की न्यायिक जांच की आवश्यकता हो सकती है। चुनाव आयोग ने इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि इसका उपाय चुनाव याचिका है और मतदान आयोग को एसआईआर से संबंधित मुद्दों और वोटों के जोड़ने या हटाने के खिलाफ परिणामी अपीलों के लिए जवाबदेह ठहराया जा सकता है।

दिलीप घोष को ग्रामीण विकास गृह मंत्रालय सीएम के पास

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को नवगठित मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण विभागों के आवंटन की घोषणा की। वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष को ग्रामीण विकास और प्राणी विकास विभाग सौंपे गए हैं। अग्निमित्र पाल को महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय के साथ-साथ नगर निगमों का प्रभार दिया गया है, जबकि निशित प्रमाणिक उत्तर बंगाल विकास और युवा कल्याण एवं खेल विभागों की देखरेख करेंगे। खुदीराम टुडू को जनजातीय विकास मंत्री नियुक्त किया गया है और अशोक कीर्तनिया को खाद्य विभाग का प्रभार दिया गया है। मुख्यमंत्री ने गृह विभाग को बरकरार रखा है। मुख्यमंत्री ने आज की बैठक में नेताओं को किन बातों की जानकारी दी। शनिवार को पश्चिम बंगाल के पहले मुख्यमंत्री के रूप में सुवेंदु अधिकारी ने शपथ ली। इस भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और केंद्रीय मंत्रिमंडल के अधिकांश सदस्य उपस्थित थे। सुवेंदु ने अग्निमित्रा पॉल, निशिथ प्रमाणिक (राजबोंगशी), दिलीप घोष (ओबीसी), अशोक कीर्तनिया (मातुआ) और क्षुदिराम टुडू (आदिवासी) के साथ शपथ ग्रहण किया।

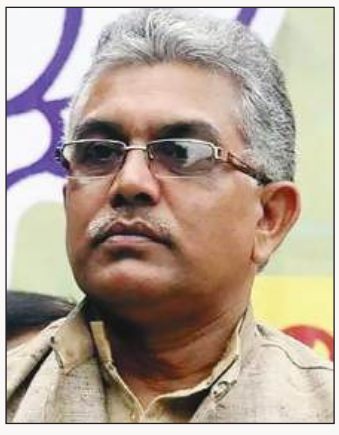

एसआईआर को लेकर ममता ने सुप्रीम कोर्ट में किया दावा

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दावा किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) में किए गए विलोपन ने पश्चिम बंगाल के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में परिणामों को काफी हद तक प्रभावित किया है। यह दावा सुप्रीम कोर्ट में भारत के मुख्य

न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमलया बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान किया गया। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने बताया कि 31 निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा की टीएमसी पर जीत का अंतर एसआईआर निर्णय प्रक्रिया में मतदाता सूची से हटाए गए व्यक्तियों की संख्या से कम था। उन्होंने आगे कहा कि कई मामलों में हटाए गए व्यक्तियों की संख्या और हार का अंतर लगभग बराबर था।

चोर बाजार में जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम : राहुल

राहुल गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए चुनाव आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत का आरोप दोहराया। उन्होंने लिखा, भाजपा-ईडी के चोर बाजार में जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम।

जुलाई में है अग्रवाल का रिटायरमेंट

बंगाल में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद शुभेंदु अधिकारी ने 9 मई को राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। इसके बाद उन्होंने रविवार से काम करना शुरू कर दिया था। शुभेंदु अधिकारी के सीएम बनने के बाद राज्य के सेवानिवृत्त अधिकारी डॉ. सुब्रत गुप्ता को सीएम का एडवाइजर यानी सलाहकार नियुक्त किया गया था। इसके

बाद मनोज अग्रवाल की नियुक्त बतौर चीफ सेक्रेटरी की गई थी। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस ने तीखा हमला बोला था। अग्रवाल पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग के सीईओ थे। उन्होंने एसआईआर के साथ बंगाल चुनावों में पूरी व्यवस्था संभाली थी। मनोज अग्रवाल का रिटायरमेंट जुलाई में हैं। बंगाल में टीएमसी के सवाल उठाने पर सीएम शुभेंदु अधिकारी ने चुप्पी तोड़ते हुए जवाब दिया है।

प्रक्रिया के प्रभारी थे वे अब राज्य सरकार का हिस्सा : ओवैसी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यह अजीब बात है कि जो लोग चुनाव प्रक्रिया के प्रभारी थे, वे अब राज्य सरकार का हिस्सा हैं। इन आपत्तियों

पर सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि मनोज अग्रवाल सिर्फ पूर्व सीईओ ही नहीं हैं, बल्कि राज्य के सबसे वरिष्ठ सिविल सेवक भी हैं। बीजेपी सरकार कानून के मुताबिक ही काम कर रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अमेरिका-चीन की नजदीकियां भारत के लिए खतरे की घंटी?

दुनिया की सबसे बड़ी दो आर्थिक और सामरिक शक्तियां जब एक टेबल पर बैठती हैं तो उसका असर सिर्फ वॉशिंगटन और बीजिंग तक सीमित नहीं रहता। उसका कंपन नई दिल्ली, तेहरान, मॉस्को और पूरी वैश्विक राजनीति में महसूस किया जाता है। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति और चीनी राष्ट्रपति की इस मुलाकात को सिर्फ एक कूटनीतिक औपचारिकता मानना बड़ी भूल होगी। असली सवाल यह है कि इस बातचीत की कीमत कौन चुकाएगा? और क्या भारत उस बदलती वैश्विक बिसात पर धीरे-धीरे अकेला पड़ता जा रहा है? भारत के लिए यही सबसे बड़ी चिंता है कि पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका के साथ उसने अपने रिश्तों को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया। क्वाड, रक्षा समझौते, टेक्नोलॉजी साझेदारी और इंडो-पैसिफिक रणनीति के जरिए भारत ने खुद को पश्चिमी धुरी के अहम सहयोगी के रूप में स्थापित किया। लेकिन अब सवाल उठ रहा है कि अगर अमेरिका अपने आर्थिक और सामरिक हितों के लिए चीन से समझौते की नई भाषा बोलने लगे तो भारत की स्थिति क्या होगी?

क्योंकि चीन सिर्फ भारत का व्यापारिक प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि सीमा विवाद से लेकर दक्षिण एशिया में प्रभाव की लड़ाई तक एक सीधी चुनौती है। लद्दाख से लेकर हिंद महासागर तक दोनों देशों के बीच तनाव किसी से छिपा नहीं है। ऐसे में अमेरिका-चीन की बढ़ती बातचीत भारत के रणनीतिक समीकरणों को असहज कर सकती है। सबसे दिलचस्प और चिंताजनक पहलू ईरान का है। भारत कभी ईरान के सबसे भरोसेमंद साझेदारों में गिना जाता था। चाबहार पोर्ट से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक, तेहरान भारत की पश्चिम एशिया नीति का अहम हिस्सा था। लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों और बदलती वैश्विक राजनीति के बीच भारत धीरे-धीरे ईरान से दूरी बनाता गया, जबकि चीन ने उसी खाली जगह को तेजी से भर दिया। अब स्थिति यह है कि चीन ईरान के साथ खड़ा भी है और अमेरिका से संवाद भी कर रहा है। यानी बीजिंग दोनों तरफ खेल रहा है टकराव का भी और समझौते का भी। भारत की चुनौती यही है कि वह भावनात्मक कूटनीति से ऊपर उठकर कठोर यथार्थ को समझे। वैसे तो सवाल बहुत से लेकिन उन सवालों में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि अगर चीन अमेरिका का सबसे बड़ा आर्थिक खतरा था, अगर चीनी कंपनियों पर टैरिफ और प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर लगाए गए थे अगर दुनिया को यह बताया गया कि चीन वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती है तो फिर आज अमेरिका के सबसे बड़े कॉरपोरेट दिग्गज ट्रम्प के साथ बीजिंग क्यों पहुंचे हैं?

“ असली सवाल यह है कि इस बातचीत की कीमत कौन चुकाएगा? और क्या भारत उस बदलती वैश्विक बिसात पर धीरे-धीरे अकेला पड़ता जा रहा है? भारत के लिए यही सबसे बड़ी चिंता है कि पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका के साथ उसने अपने रिश्तों को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ट्रंप की चीन यात्रा व ईरान संकट का प्रश्न

पुष्परंजन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अप्रैल, 2026 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर एक रूढ़िवादी रेडियो होस्ट, माइकल सैवेज की पोस्ट को 'रीशेयर' करते हुए भारत और चीन को 'हेलहोल्स', यानी 'नरक जैसी जगह' बताया था। ट्रंप पहले वाले 'नरक' में पधार चुके हैं। शुक्रवार तक वे 'नरकवासी' रहेंगे। दोनों शासन प्रमुखों की मुलाकात की पहली जगह है, 'टेम्पल ऑफ हैवन'। लगता है, शी ने जानबूझ कर यह वेन्यू चुना है, ताकि वो अमेरिकी राष्ट्रपति को यह महसूस करा सकें, कि आप जिसे 'नरक' बोल रहे थे, वहां स्वर्ग के वास्ते मंदिर भी है। इस बार 'फर्स्ट लेडी' ट्रंप के साथ चीन नहीं जा रही हैं। सबका ध्यान यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व विरासत स्थल, 'टेंपल ऑफ हेवन' (स्वर्ग का मंदिर) पर केंद्रित होगा; यह सदियों पुराना एक शाही परिसर है, जो अनुष्ठानों, ब्रह्मांडीय व्यवस्था और राजनीतिक सत्ता से जुड़ा हुआ है।

रविवार को अमेरिका की मुख्य उप प्रेस सचिव अन्ना केली के अनुसार, ट्रंप के बुधवार शाम को पेइचिंग पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद अगली सुबह वे एक स्वागत समारोह और शी के साथ द्विपक्षीय बैठक में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद दोनों नेता 'टेंपल ऑफ हेवन' का दौरा करेंगे, और एक राजकीय भोज में शामिल होंगे। ट्रंप की चीन यात्रा के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या अब चीनी हस्तक्षेप से ईरान युद्ध समाप्त होगा? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ट्रंप-शी जिनपिंग मुलाकात से ठीक पहले चीन का दौरा इसीलिए तो नहीं किया है! केली ने कहा कि शी और ट्रंप शुक्रवार को चाय और वर्किंग लंच के लिए फिर से मिलेंगे। संभवत: उसी दिन, उभयपक्षीय समझौतों की घोषणा होगी। ट्रम्प और शी को दो दिनों की मुलाकातों में टेक्नोलॉजी, टैरिफ, व्यापार, जरूरी खनिजों और ताइवान जैसे मुश्किल मुद्दों से निपटना होगा; ये मुलाकातें अब अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से भी गहरे साये में हैं। 'टेंपल ऑफ हेवन' (थिएनथान पार्क 15वीं सदी का एक धार्मिक परिसर है।

यह धरती और स्वर्ग के बीच के रिश्ते का प्रतीक है-एक ऐसा विचार जो पारंपरिक चीनी ब्रह्मांड विज्ञान के केंद्र में है। वर्ष 2017 में इस जगह को देखते हुए जानकारी मिली थी, कि मिंग और किंग राजवंशों के सम्राट इसका इस्तेमाल एक पवित्र स्थल के तौर पर करते थे। यहां वे स्वर्ग के लिए बलि

चढ़ाते थे, और अच्छी फसल के लिए प्रार्थना करते थे। साथ ही, यह सम्राट की उस भूमिका को भी मजबूत करता था, जिसमें उन्हें स्वर्गीय व्यवस्था और धरती के शासन के बीच एक मध्यस्थ माना जाता था। मध्य पेइचिंग के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित यह परिसर 273 हेक्टेयर में फैला हुआ है। यह 'फॉरबिडन सिटी' से लगभग चार गुना बड़ा इलाका है। लेकिन, थ्येनआनमन चौक स्थित 'फॉरबिडन सिटी' (निषिद्ध नगर) का कैनवास ज्यादा बड़ा है। यह मिंग और किंग राजवंश के 24 सम्राटों का निवास स्थान था, और 1420 से 1924 तक 500 वर्षों से अधिक समय तक चीन की राजनीतिक सत्ता का केंद्र रहा है। वर्ष 2017 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान पेइचिंग यात्रा में ट्रंप का पहला पड़ाव 'फॉरबिडन सिटी' ही था। इस यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति का हमेशा से कहीं ज्यादा भव्य स्वागत किया गया, जिसे पेइचिंग ने 'स्टेट विजटि-प्लस' (राजकीय यात्रा से भी बढ़कर) का नाम दिया था। उस समय, शी और प्रथम महिला पेंग लियुआन ने पूर्व शाही महल में स्थित 'बाओ युन लोऊ' (खज़ानों का हॉल) में ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया से चाय पर मुलाकात की थी। यह पहला अवसर था, जब 1949 में 'पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' की स्थापना के बाद, चीन ने किसी राष्ट्राध्यक्ष की मेजबानी 'फॉरबिडन सिटी' निषिद्ध नगर के भीतर की थी। 'बाओ युन लोऊ' को 1915 में पेइचिंग के बाहर शाही आवासों से लाए गए खज़ानों को रखने के लिए बनाया गया था। इसके निर्माण के लिए धन अमेरिकी सरकार द्वारा तत्कालीन राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट के कार्यकाल में भेजा गया था। 2017 वाली यात्रा में शी से चाय पर बातचीत के दौरान, ट्रंप ने अपनी पोती अरेबेला का एक वीडियो दिखाया।

इस वीडियो में अरेबेला ने 'चीपाओ' (पारंपरिक चीनी पोशाक) पहनी हुई थी, और वह चीनी गीत गा रही थी, साथ ही मैंडरिन भाषा में प्राचीन चीनी कविताएं सुना रही थी। पेइचिंग आने वाले विदेशी नेताओं के यात्रा कार्यक्रमों में 'फॉरबिडन सिटी' को अक्सर शामिल किया जाता रहा है, लेकिन ऐसी यात्राओं का आयोजन आमतौर पर संग्रहालय के सामान्य कामकाज के दौरान ही किया जाता है। इस स्थल को पूरी तरह से बंद नहीं किया जाता था। लेकिन, इस बार उल्टा हुआ है।

सैन्य सेवा का अलहदा ढांचा और प्रतिज्ञा की पूर्णता

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

सिविल कर्मचारी और सैनिक, गणतंत्र को स्थिरता देने में जुड़वां स्तंभ हैं। एक निरंतरता एवं प्रशासनिक दृढ़ता के माध्यम से काम करता है; तो दूसरा तीव्रता और अस्तित्वगत जोखिम के जरिए। दोनों ही अपरिहार्य हैं। दोनों ऐसे ढांचे के हकदार हैं जो परिलक्षित करता हो कि उन्हें वास्तव में क्या करने की आवश्यकता है। इनके बीच अंतर का जवाब पदानुक्रम में नहीं है। मसला गढ़ी गई एक रूपरेखा है। सेना के लिए कोई भी ढांचा एक मूलभूत वास्तविकता से शुरू होना चाहिए सशस्त्र बलों के पद, नागरिक प्रणालियों के ओहदों से मूलत: भिन्न होते हैं। नागरिक जीवन में, पदानुक्रम काफी हद तक वरिष्ठता और प्रशासनिक तरक्की पाने का पैमाना होता है। जबकि सैन्य जगत में, यह जीवन एवं परिणाम पर परिचालन प्राधिकरण द्वारा तय होता है।

एक प्रशासनिक त्रुटि से पैसे का नुकसान या देरी हो सकती है; लेकिन कमान में हुई त्रुटि से जानें और इलाका गंवाना पड़ सकता है। सक्रिय अभियानों में सैनिकों की कमान संभालने वाले एक ब्रिगेडियर के पास, एक कर्नल की तुलना में केवल अधिक वरिष्ठता ही नहीं होती बल्कि उसको परिणामों का एक बिल्कुल अलग और कहीं अधिक भारी बोझ भी उठाना पड़ सकता है। यह अंतर इसलिए मायने रखता है क्योंकि सैन्य पदानुक्रम संरचना को समझ-बूझकर पिरामिड की तरह शीर्ष पर संकरा होता बनाया गया है। युद्ध के मैदान में सबसे आगे रहने वालों के लिए युवावस्था की आवश्यकता होती है। इसलिए, संरचनात्मक रूप से फौज युवा बनी रहनी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि बहुत कम संख्या में अफसर उच्चतर पदों तक पहुंच पाएं। यह कोई विफलता न होकर कमान संरचना का गणित है। लेकिन इस गणित के परिणाम बहुत गहरे होते हैं। अधिकांश अधिकारी, चाहे वे कितने भी सक्षम क्यों न हों, कुछ निश्चित ओहदों से ऊपर कभी नहीं जा पाते।

इसलिए, यह संस्था केवल उन लोगों द्वारा ही नहीं चलती जो शीर्ष तक पहुंचते हैं, बल्कि उन लोगों द्वारा भी परिचालित होती है, जो उस जगह बने रहते हैं जहां पर प्रणाली को उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है-मेजर और लेफ्टिनेंट कर्नल, कंपनी कमांडर और बटालियन के उप-कमान अधिकारी- वे अफसर हैं जो सेना का परिचालन भार ठीक उसी स्तर पर उठाते हैं जहां वे कमानगत पद परिणाम देने में सबसे मुफीद होते हैं। लेकिन जब इस समूह में आते अधिकारी अपने पद के भीतर कोई अर्थपूर्ण प्रगति होते नहीं देखते, रुतबे की एकमात्र दिखाई देने वाली पहचान (उच्चतर पद) पिरामिड की संरचना के मुताबिक जब उनमें से अधिकांश को नहीं मिल पाती, तब धीरे-धीरे कुछ कमजोर पड़ने लगता है। उनकी सक्षमता नहीं, न ही साहस। परंतु निश्चित तौर पर संस्था उन्हें अभी भी पहले जैसा ही देखती है। और फिर कई लोग सेना छोड़ देते हैं। विरोध में नहीं। बल्कि इसलिए, क्योंकि नागरिक जगत ने यह पहचानना सीख लिया है कि सैन्य सेवा ने उन लोगों के भीतर किन गुणों को पैदा किया है। दबाव वाली परिस्थिति में भी शांतचित्त रहना, निर्णय क्षमता व अनिश्चितता के बावजूद नेतृत्व का गुण होना और नागरिक जगत उन्हें एक ऐसा ढांचा मुहैया करता है जहां इन गुणों का यथोचित मोल पड़ता है। उस क्षण, राष्ट्र अपना सबसे कमजोर उत्पाद नहीं खोता, बल्कि बेहतरीन ढले (प्रशिक्षित) अपने लोगों में से कुछ को। यही कारण है कि पद श्रेणी के भीतर तरक्की का मामला महज दिखावटी मुद्दा नहीं।

यह विसंगति की जड़ संस्थागत रूपरेखा में है। जिम्मेदारी, पेशेवर विशिष्टता, नियुक्ति पात्रता और पद-श्रेणी के भीतर दिखाई देने वाला रुतबा तब भी बना रहना चाहिए, जब तरक्की संभव न हो। वरना, व्यवस्था से अनजाने में यह संकेत मिलता है कि नौकरी का महत्व तभी है, जब कोई लगातार ऊपरी पदों पर चढ़ता रहे। लेकिन सेना सिर्फ एक सीढ़ी की तरह काम नहीं कर सकती। जिस किसी के पास जो पद है, वह अपने आप में उसके वहां पहुंचने को मान्यता है,न कि अगले पद के लिए महज एक इंतजारगाह। इसलिए, संरचना को बचाकर रखना जरूरी है, पिरामिड की चोटी को चपटा करके नहीं, बल्कि यकीनी बनाना कि जब तक देश को इसकी जरूरत हो, अफसर अपने पद पर रहते हुए अपना सर्वोत्तम दे। वास्तव में यह हकीकत को मान्यता देना है संस्था द्वारा चाही जाने वाली सबसे मुश्किल व जरूरी चीजों में से एक। यहीं गैर-कार्यात्मक उन्नयन उपाय परिदृश्य में दाखिल हुआ। जहां पर तरक्की के अवसर समान नहीं थे, गैर-कार्यात्मक उन्नयन का उपाय सिविल सेवाओं में पदोन्नति जड़ता तोड़ने के लिए बनाया गया।

इसके पीछे का सिद्धांत समझ में आता है; प्रशासनिक व्यवस्था को सेवा काल में विसंगति-नीत असमानताओं को कम करने के लिए एक उपाय की ज़रूरत थी। मुद्दा यह नहीं कि क्या इससे दूसरी सेवाओं को राहत मिली। मुद्दा यह है कि प्रशासनिक कैडर के लिए बनाया गया एक उपाय, सेना के उस ढांचे पर थोप दिया गया, जिसका सांचा पूरी तरह से अलहदी बुनियाद पर टिका है। सिविल सेवाओं में, पद और वेतन मोटे तौर पर वरिष्ठता के चरणों का प्रतीक होते हैं। जबकि सेना में, पद परिचालन प्राधिकार और अपरिवर्तनीय परिणामों की जवाबदेही से तय होता है। जब सैन्य-तंत्र में भी गैर-कार्यात्मक उन्नयन तर्क लागू किया गया, तो इससे श्रेणीगत भ्रम बना। वेतन समतुल्यता धीरे-धीरे रुतबे में समतुल्यता का चिन्ह बनने लगी, भले ही अंतर्निहित जिम्मेदारियां मूलत: भिन्न हों।

मानसिक तनाव कम करता है

कपालभाति नियमित रूप से करने से मस्तिष्क को भरपूर ऑक्सीजन मिलती है। जिससे तनाव और चिंता कम हो सकती है। यह मस्तिष्क की कोशिकाओं को सक्रिय करने और उनके कार्यक्षमता को सुधारने में मदद करता है। जब आप गहरी सांस लेते और छोड़ते हैं, तो आपका मस्तिष्क शांत होता है और तनाव हार्मोन, जैसे कोर्टिसोल का स्तर कम होता है। इससे मानसिक शांति मिलती है और चिंता के स्तर में कमी आती है। जिससे आपके सोचने और निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होती है। यह मस्तिष्क के न्यूरॉन्स को सक्रिय करता है और आपको तेज और सटीक सोचने में मदद करता है। हमेशा खाली पेट कपालभाति करें। इस योग की प्रक्रिया को धीरे-धीरे अभ्यास का समय बढ़ाएं।

वजन करे कम

नियमित रूप से कपालभाति करने से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिल सकती है। इसे करते समय अगर चक्कर या असहज महसूस हो तो तुरंत रुक जाएं। शुरुआत में इसे कम समय के लिए करना चाहिए और धीरे-धीरे इसकी अवधि बढ़ानी चाहिए।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

कपालभाति करने से पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे पाचन बेहतर होता है और गैस या कब्ज जैसी समस्याओं में राहत मिल सकती है। अगर कपालभाति सही तरीके से और सीमित समय तक किया जाए तो इसे रोज करना सुरक्षित माना जाता है।

कपालभाति प्राणायाम से मिलते हैं कई फायदे

योग और प्राणायाम आज के समय में स्वस्थ जीवनशैली का अहम हिस्सा बन चुके हैं। इन्हीं में से एक लोकप्रिय प्राणायाम है कपालभाति, जिसे कई लोग रोजाना अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं। अगर अभ्यास सही तरीके और सावधानियों के साथ किया जाए तो कपालभाति रोज करना सुरक्षित और फायदेमंद हो सकता है। यह न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। हालांकि किसी भी योग अभ्यास को शुरू करने से पहले अपनी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर होता है। अक्सर लोगों के मन में यह सवाल आता है कि क्या कपालभाति रोज करना सुरक्षित है या नहीं। कपालभाति एक प्रकार का प्राणायाम है जिसमें तेज गति से सांस बाहर निकाली जाती है और सांस अपने आप अंदर चली जाती है। इस अभ्यास से शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है और पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है।

शरीर को डिटॉक्स करता है

प्राणायाम, यानी सांसों का सही ढंग से संचालन। प्राणायाम के कुल आठ प्रकार होते हैं और हर एक का अपना अलग असर होता है। इन सब में से एक है कपालभाति प्राणायाम, जो शरीर को भीतर से साफ करता है और उसे नयी ऊर्जा देता है। कपालभाति को अगर कोई व्यक्ति इसे रोज 12, 24 या 48 मिनट तक करता है, तो वह खुद अपने शरीर में गजब के बदलाव महसूस कर सकता है। यह प्राणायाम शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है और शरीर को अंदर से साफ रखने में सहायक होता है।

त्वचा में निखार

शरीर में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होने से सभी अंगों को पर्याप्त पोषण और ऑक्सीजन मिलती है। कपालभाति प्राणायाम के अभ्यास से त्वचा पर नेचुरल ग्लो बढ़ता है। दरअसल, कपालभाति के अभ्यास से शरीर में पोषक तत्वों का अब्जॉर्प्शन बेहतर होता है, जिससे त्वचा पर नेचुरल निखार आता है। यह आपकी त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार करता है और आपको एक चमकदार चमक देता है। इसे करने के लिए हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर या गर्भावस्था में डॉक्टर या योग विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। इसके अलावा यह प्रणायाम करने से शरीर में ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने में मदद मिलती है। इस श्वास तकनीक में सक्रिय सांस छोड़ना और निष्क्रिय सांस लेना शामिल है, और शरीर में लो ब्लड सर्कुलेशन को ठीक करने में मदद करता है। यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाता है, और उन्हें मजबूत करता है। कपालभाती को शरीर से विषाक्त पदार्थों और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को निकालने के लिए जाना जाता है।

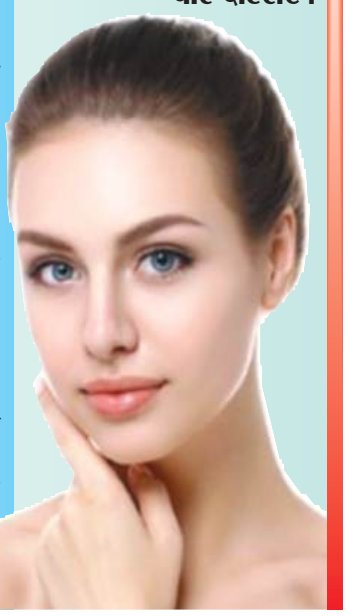

करने का सही तरीका

सीधे बैठकर रीढ़ की हड्डी सीधी रखें। गहरी सांस लें और तेजी से सांस बाहर छोड़ें। पेट को अंदर की ओर खींचें। सांस अपने आप अंदर चली जाएगी। इस प्रक्रिया को 30-50 बार दोहराएं।

हंसना मना है

लड़का- मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं, बाप- कितना कमा लेते हो। लड़का- 19000 हजार महीना। बाप- 15000 मैं अपनी बेटी को पाकेट मनी देता हूं। लड़का- वो मिलाके के ही बोल रहा हूं अंकल।

पत्नी - हमेशा मेरा आधा माथा दुखता है, लगता है डॉक्टर को दिखाना पड़ेगा। पति -अरे उसमें डॉक्टर को क्या बताना! वो तो जितना है उतना दुखेगा ही। बस तब से ही पति का पूरा बदन दु:ख रहा है।

टीचर- मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य- उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य- उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू - पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

पति अपनी पत्नी से - मेरी शर्ट को उल्टी करके प्रेस करना। पत्नी- ठीक है, कुछ देर बाद, पति- मेरी शर्ट को प्रेस कर दिया क्या, पत्नी- नहीं अभी नहीं, पति- क्यों? पत्नी- अभी मुझे उल्टी ही नहीं आ रही तो उल्टी करके कैसे प्रेस करूं। पति बेहोश।

पत्नी : सुनो मेरे मुहं में मच्छर चला गया, अब क्या करूं? पति: पगली ऑल आउट पी ले। छह सेकंड में काम शुरू।

कहानी — मन का दिव्य दर्पण

गुरुकुल के आचार्य अपने शिष्य की सेवा से बहुत प्रभावित हुए। विद्या पूरी होने के बाद जब शिष्य विदा होने लगा तो गुरू ने उसे एक दर्पण दिया। उस दिव्य दर्पण में किसी भी व्यक्ति के मन के भाव को दर्शाने की क्षमता थी। शिष्य ने सोचा कि चलने से पहले क्यों न दर्पण की क्षमता की जांच कर ली जाए। उसने दर्पण का मुंह गुरुजी के सामने कर दिया। गुरुजी के हृदय में मोह, अहंकार, क्रोध आदि दुर्गुण स्पष्ट नजर आ रहे हैं। ये देख शिष्य वह बहुत दु:खी हुआ। वह दर्पण लेकर चला गया लेकिन उसके हाथ में दूसरों को परखने का यंत्र आ गया था। इसलिए वह सबकी परीक्षा लेता। सब के हृदय में कोई न कोई दुर्गुण अवश्य दिखाई दिया। उसके पिता की तो समाज में बड़ी प्रतिष्ठा है, उसकी माता को तो लोग साक्षात देवतुल्य ही कहते है। उसने उस दर्पण से माता-पिता की भी परीक्षा कर ली। उनके हृदय में भी कोई न कोई दुर्गुण देखा। फिर उसने दर्पण उठाया और चल दिया गुरुकुल की ओर। गुरुजी उसके मन की बेचैनी देखकर सारी बात का अंदाजा लगा चुके थे। चेले ने कहा- गुरुदेव, मैंने आपके दिए दर्पण की मदद से देखा कि सबके दिलों में तरह-तरह के दोष है। कोई भी दोषरहित सज्जन मुझे अभी तक क्यों नहीं दिखा? तब गुरुजी हंसे और उन्होंने दर्पण का रुख शिष्य की ओर कर दिया। शिष्य दंग रह गया। उसके मन के प्रत्येक कोने में राग-द्वेष, अहंकार, क्रोध जैसे दुर्गुण भरे पड़े थे। ऐसा कोई कोना ही न था जो निर्मल हो। गुरुजी बोले- बेटा यह दर्पण मैंने तुम्हें अपने दुर्गुण देखकर जीवन में सुधार लाने के लिए दिया था न कि दूसरों के दुर्गुण खोजने के लिए। जितना समय तुमने दूसरों के दुर्गुण देखने में लगाया उतना समय यदि तुमने स्वयं को सुधारने में लगाया होता तो अब तक तुम्हारा व्यक्तित्व बदल चुका होता। मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि वह दूसरों के दुर्गुण जानने में ज्यादा रुचि रखता है। स्वयं को सुधारने के बारे में नहीं सोचता। इस दर्पण की यही सीख है जो तुम नहीं समझ सके यदि हम स्वयं में थोड़ा-थोड़ा करके सुधार करने लगें तो हमारा व्यक्तित्व परिवर्तित हो जाएगा।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। नवीन उपलब्धियों की प्राप्ति संभव है।

वृषभ — संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी।

मिथुन — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। संतान के कार्यों पर नजर रखें। पूँजी निवेश बढ़ेगा।

कर्क — क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु-खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

सिंह — नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

कन्या — मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी।

तुला — यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। उलझनों से मुक्ति मिलेगी।

वृश्चिक — वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें।

धनु — कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर — मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

कुम्भ — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। भाइयों की मदद मिलेगी।

मीन — वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

हालीवुड | मन की बात

लिपस्टिक एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है, जो कई काम एक साथ कर देता है : अदनान

मुझको भी तो लिफ्ट करा दे गीत से 90 के दशक में श्रोताओं को झूमने पर अदनान सामी ने मजबूर कर दिया था। एक फिर वैसा ही जादू चलाने की कोशिश वह करना चाहते हैं। उनका नया गाना 'लिपस्टिक से नजर उतार दे' हाल ही में रिलीज हुआ। इस गाने के पीछे क्या इंस्पिरेशन थी? गाने के जरिए क्या कोई खास मैसेज अदनान सामी देना चाहते हैं? गायक अदनान सामी के नए गाने 'लिपस्टिक से नजर उतार दे' में लिपस्टिक को ही क्यों अहमियत दी गई है? इस सवाल के जवाब में वह कहते हैं, लिपस्टिक एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है, जो कई काम एक साथ कर देता है, जैसे आप इसे गालों पर लाली के लिए, मांग में सिंदूर के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। महिलाएं ऐसा करती हैं। साथ ही जब भी वह कभी बाहर जाती हैं तो कहती हैं कि बस लिपस्टिक लगाकर आती हूं। इससे उनमें एक कॉन्फिडेंस आता है। लेकिन कई जगहों पर, आम महिलाओं पर कई बंदिशें लगाई जाती हैं, इन्हें ही तोड़ने की बात इस गाने में लिपस्टिक के जरिए की गई है। अदनान सामी बॉलीवुड फिल्मों से लेकर म्यूजिक एल्बम में एक लंबे समय से गा रहे हैं। उनकी आवाज रूहानी भी है और इसमें रूमानी अंदाज भी मौजूद है। यह कैसे मुमकिन हुआ? इस पर अदनान कहते हैं, मैं दिल से गाता हूं। साथ ही जब भी किसी बात को मैं म्यूजिक के जरिए बयां करना चाहता हूं तो उस बात पर सबसे पहले यकीन करता हूं। जैसे मैं गा रहा हूं 'ये जमीन रुक जाए, आसमान झुक जाए, तेरा चेहरा जब नजर आए', तो मैं इस बात पर भरोसा करता हूं कि सामने जो चेहरा है, उसकी वजह से ऐसा मुमकिन हो सकता है। हर इमोशन मेरे दिल से निकलता है। ऐसा ही नए गाने 'लिपस्टिक' के साथ भी है। यही वजह है कि लोग भी मेरे गीतों से जुड़ाव महसूस करते हैं।'

धुरंधर 2 पर लगा 50 लाख रुपये का जुर्माना

दिल्ली हाई कोर्ट ने धुरंधर 2 के मेकर्स के साथ गीत रंग दे लाल (ओए ओए) को लेकर चल रहे कॉपीराइट विवाद में त्रिमूर्ति फिल्म्स के पक्ष में अंतरिम रिलीफ देने से गुरुवार को इनकार कर दिया। हालांकि, जस्टिस तुषार राव गेडेला ने सुपर कैसेट्स को चार हफ्ते के भीतर कोर्ट में 50 लाख रुपये जमा करने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने अपने इस आदेश में कहा कि वह वादी द्वारा अनुरोध किए किसी भी अंतरिम आदेश को पारित करने में असमर्थ है। साथ ही, जस्टिस ने त्रिमूर्ति के दावे को सुरक्षित करने के लिए ये राशि जमा करने का आदेश देना उचित समझा। कोर्ट ने निर्देश दिया कि ये राशि न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के नाम पर जमा की जाए और इसे ऑटो रिन्यूअल के लिए रखी जाए। त्रिमूर्ति फिल्म्स वर्सेज़ बी62 फिल्म्स मामले में कोर्ट ने यह भी कहा कि मुकदमे के खत्म होने पर ये राशि उन्हें दी जाएगी जिनकी जीत होगी।

बता दें कि दोनों पक्षों में यह विवाद त्रिमूर्ति फिल्म्स के उन आरोपों के बाद से शुरू हुआ कि धुरंधर 2 में रंग दे लाल (ओये ओये) गाने में 1989 की हिंदी फिल्म त्रिदेव के तिरछी टोपीवाले के म्यूजिक का बिना अनुमति के इस्तेमाल किया गया था। सनी देओल स्टारर इस गाने तिरछी टोपीवाले का म्यूजिक आनंद-मिलिंद ने तैयार किया था और इसके बोल आनंद बख्शी ने लिखे थे। धुरंधर 2 रिलीज के बाद त्रिमूर्ति फिल्म्स ने गाने पर अधिकार का दावा किया और आरोप लगाया कि मेकर्स ने जरूरी लाइसेंस प्राप्त किए बिना गाने या उसके काफी हद तक मिलते-जुलते वर्जन का इस्तेमाल किया है।

त्रिमूर्ति फिल्म्स की शिकायत में फिल्म की थिएटर रिलीज, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग और धुरंधर 2 से जुड़ा प्रमोशनल मटीरियल के जरिए गाने का व्यावसायिक शोषण की भी बात कही गई थी। बताया जा रहा है कि धुरंधर 2 के गानों के ऑडियो अधिकार रखने वाली सुपर कैसेट्स ने अंतरिम राहत का विरोध किया। सुपर कैसेट्स ने तर्क दिया कि त्रिमूर्ति ने गलत इरादे से अदालत का रुख किया है और उन पुराने उदाहरणों को छिपाया है जहां त्रिदेव के इसी तरह के गाने अन्य फिल्मों में इस्तेमाल किए गए थे।

धुरंधर 2 के निर्माता बी62 फिल्म्स ने अदालत को बताया कि फिल्म पहले ही सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और मई के मध्य तक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होने की संभावना नहीं है।

शादी के 4 साल बाद मौनी रॉय-सूरज नांबियार ने लिया तलाक

मौनी रॉय ने आखिरकार पति सूरज नांबियार से अलग होने का ऐलान कर दिया है। दोनों के अलग होने की खबरें पिछले कई दिनों से आ रही थीं। कहा जा रहा था कि उन्होंने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। यहां तक कि सूरज नांबियार ने मौनी संग अपनी शादी की तस्वीरें डिलीट करने के साथ ही अपना इंस्टा अकाउंट भी डिलीट कर दिया था। अब मौनी और सूरज नांबियार ने एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर अलग होने की बात कन्फर्म की है।

मौनी रॉय और सूरज नांबियार ने इंस्टाग्राम पर एक जॉइंट स्टेटमेंट में लिखा, हमें यह देखकर बहुत दुख हो रहा है कि मीडिया के कुछ सेक्शन हमारी निजी जिंदगी में जरूरत से ज्यादा दखल दे रहे हैं। इससे हम आहत हैं। हम यह क्लियर करना चाहते हैं कि हमने अलग होने का फैसला लिया है। यह फैसला अपने आपसी समझ से लिया है और निजी तौर पर सौहार्दपूर्ण ढंग से मामलों को सुलझाने के लिए जरूरी समय ले रहे हैं।

उन्होंने आगे लिखा है, हमारी निजी जिंदगी को लेकर झूठी और मनगढ़ंत कहानियां बनाई गईं, फर्जी नैरेटिव्स फैलाए गए, जबकि वो सब हमारे रिश्ते को लेकर सच भी नहीं हैं। हमने काफी सोच-विचार करने और बदलती निजी प्राथमिकताओं को देखते हुए आपसी समझ से और पूरे सम्मान के साथ अलग-अलग रास्तों पर बढ़ने का फैसला लिया है। फिलहाल हम इस फेज़ को निजी तरीके और समझदारी से संभालने की कोशिश पर ध्यान दे रहे हैं। हालांकि, हम अपनी दोस्ती को आगे बनाए रखने की कोशिश करेंगे। हमें समझने के लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं और आप हमारी निजता का सम्मान करें।

मालूम हो कि हाल ही में कुछ यूजर्स ने नोटिस किया था कि मौनी रॉय और सूरज नांबियार ने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। सूरज ने शादी की तस्वीरें भी डिलीट कर दी हैं। मौनी और सूरज ने साल 2022 में गोवा में बंगाली और मलयाली रीति-रिवाजों से शादी की थी। सूरज दुबई के रहने वाले हैं और एक इन्वेस्टमेंट बैंकर हैं। अब मौनी और सूरज अलग क्यों हुए, इसकी वजह तो सामने नहीं आई, पर कई तरह के दावे जरूर चर्चा में हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया कि सूरज नांबियार ने मौनी रॉय को धोखा दिया और उनके पैसों पर ऐश भी कर रहे थे। हालांकि, यह सिर्फ रिपोर्ट्स हैं।

अजब-गजब | नौटंकी नंबर 1 है ये मेंढकी!

यह मेंढकी पसंदीदा मेंढक ना मिलने पर अनचाहे नर मेढक से बचने के लिए करती है मरने का नाटक

प्रकृति कितनी अनोखी और चतुर है, इसका नया प्रमाण मेंढकों की दुनिया में मिला है। वैज्ञानिकों ने हाल ही में खोजा है कि कुछ मेंढकियां अपने लिए अनचाहे नर से बचने के लिए मरने का नाटक कर देती हैं। यह व्यवहार इतना प्रभावी है कि नर मेंढक उसे मृत समझकर वहां से चला जाता है और मेंढकी फिर से अपने पसंदीदा साथी की तलाश शुरू कर देती है।

यह खुलासा यूरोपीय कॉमन फ्रॉग पर किए गए अध्ययन में हुआ है। रिसर्च में पाया गया कि मादा मेंढकियों के साथ जब जबरन मिलन की कोशिश होती है और उन्हें नर पसंद नहीं आता, तो वे लेट जाती हैं, पीठ के बल गिर जाती हैं, शरीर को ढीला छोड़ देती हैं और सांस रोक लेती हैं। इस नाटक को थैनेटोसिस कहा जाता है।

मेंढकी नाटक क्यों करती है?

वैज्ञानिकों के अनुसार यह व्यवहार मेंढकी को कई फायदे देता है। जैसे। अनचाहे नर से बचाव, शारीरिक थकान और चोट से सुरक्षा। बेहतर जीन वाले नर के साथ संतान उत्पत्ति का मौका। तनाव कम करना।

जब नर मेंढक मादा को मृत समझकर चला जाता है, तो मेंढकी कुछ देर बाद सामान्य होकर फिर से प्रजनन के लिए सक्रिय हो जाती है।

अध्ययन में कई मामलों में देखा गया कि मेंढकियां इस तरकीब से सफलतापूर्वक अनचाहे साथी से बच निकली।

रिसर्च के प्रमुख तथ्य

यह व्यवहार यूरोप के सामान्य मेंढकों में देखा गया। मादाएं ना सिर्फ लेट जाती हैं बल्कि कभी-कभी आंखें बंद कर लेती हैं और सांस रोक लेती हैं। थैनेटोसिस सिर्फ मेंढकों तक सीमित नहीं है। यह कई जानवरों में पाया जाता है जैसे ओपोसम, कुछ सांप, कीड़े और पक्षी में भी। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह एक डिफेंस मैकेनिज्म है जो खतरे या अनचाहे संपर्क से बचने के लिए विकसित हुआ है।

मेंढकों की दुनिया का रोचक प्रेम खेल

मेंढकों में प्रजनन का मौसम वसंत ऋतु में होता है। नर मेंढक जोर-जोर से आवाज निकालकर मादाओं को आकर्षित करते हैं। कभी-कभी कई नर एक मादा के इर्द-गिर्द जुट जाते हैं, जिससे मादा पर दबाव बन जाता है। ऐसे में यह नाटक मादा के लिए एक स्मार्ट रणनीति साबित होता है। मेंढकियां आमतौर पर बड़े, स्वस्थ और मजबूत नर को पसंद करती हैं क्योंकि अच्छे जीन वाली संतान मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

ये है दुनिया की सबसे महंगी किताब, कभी नहीं बेची जा सकती 500 साल पुरानी है बुक

किताबों की दुनिया में कुछ नायाब खजाने ऐसे हैं जिनकी कीमत सिर्फ पैसे से नहीं आंकी जा सकती। उनमें से एक है गूटेनबर्ग बाइबिल, जिसे दुनिया की सबसे महंगी किताब माना जाता है। यह 1455 के आसपास जर्मनी के योहानेस गूटेनबर्ग द्वारा छापी गई थी। इस किताब ने मानव इतिहास को बदल दिया क्योंकि यह पश्चिमी दुनिया में मूवेबल टाइप प्रिंटिंग की पहली बड़ी किताब थी। आज एक पूरी गूटेनबर्ग बाइबिल की अनुमानित कीमत 25 से 150 मिलियन डॉलर (लगभग 200 करोड़ से 1,250 करोड़ रुपये) तक हो सकती है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि यह किताब कभी बेची नहीं जा सकती है। ज्यादातर बची हुई प्रतियां विश्व की प्रसिद्ध लाइब्रेरी, संग्रहालयों और विश्वविद्यालयों में सुरक्षित रखी गई हैं। **इतिहास:** योहानेस गूटेनबर्ग ने 1450 के दशक में मेनज (जर्मनी) में इसे छापा था। यह लैटिन वल्गेट बाइबिल है। **संख्या:** कुल 180 प्रतियां छपी थीं, जिनमें से आज मात्र 49 पूरी या आंशिक रूप से बची हैं। **कलात्मकता:** हर पृष्ठ पर हाथ से बनाए गए खूबसूरत अक्षर, इल्लुमिनेशन (रंगीन सजावट) और उच्च गुणवत्ता वाला कागज इस्तेमाल किया गया था। **महत्व:** इस किताब ने यूरोप में ज्ञान के प्रसार को तेज किया और रेनेसां तथा सुधार आंदोलन को बल दिया। अब सवाल उठता है कि आखिर ये किताब इतनी महंगी क्यों है? दरअसल, ये बेहद दुर्लभ है। दुनिया में अब इसकी बहुत कम पूरी प्रतियां बची हैं। साथ ही इसका ऐतिहासिक महत्व भी है। इसने आधुनिक प्रिंटिंग युग की शुरुआत की थी। साथ ही ये किताब मध्ययुगीन कला का बेहतरीन नमूना है। इसकी ज्यादातर प्रतियां सरकारी या संस्थागत स्वामित्व में हैं, इसलिए इसकी बिक्री नहीं होती। 1978 में आखिरी बार एक पूरी कॉपी 2.4 मिलियन डॉलर (तब की बहुत बड़ी रकम) में बिकी थी। आज के समय में विशेषज्ञ इसे 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा का मानते हैं।

नहीं थम रहा नेताओं और कोर्ट के बीच विवाद

केजरीवाल समेत 5 नेताओं के खिलाफ नोटिस

» अदालत की आपराधिक अवमानना का मामला

» तीन वरिष्ठ अधिवक्ताओं को एमिकस क्यूरी के रूप में किया नियुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने अदालत की आपराधिक अवमानना के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए अरविंद केजरीवाल को नोटिस जारी किया है। अदालत ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो समाज में अराजकता फैल जाएगी। इस मामले में केजरीवाल के अलावा आम आदमी पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और दुर्गेश पाठक के खिलाफ भी अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान न्यायपालिका की गरिमा का जिक्र करते हुए कोर्ट ने एक बेहद अहम और कड़ी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि जब न्यायपालिका जैसी सर्वोच्च संस्था को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाती है, तो एक जज का यह सर्वोपरि दायित्व बन जाता है कि वह बिना किसी दबाव के काम करे और बदनामी की ऐसी कोशिशों से अपने फैसले को प्रभावित न होने दे।

अदालत ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए यह भी कहा कि जब जज को इस मामले की सुनवाई से अलग होने की याचिका पर विचार किया जा रहा था, तब कोर्ट को ऐसा लगा था कि यह मुद्दा केवल एक न्यायिक आदेश की वैधता और पक्षपात की आशंका तक ही सीमित है। इससे पहले, अदालत ने कहा था कि वह आम आदमी पार्टी के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक का प्रतिनिधित्व करने के लिए तीन वरिष्ठ अधिवक्ताओं को एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त करेगी। ये अधिवक्ता आबकारी नीति मामले में उनके पक्ष में पारित बरी करने के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका में शामिल होंगे। यह तब हुआ जब केजरीवाल, सिसोदिया और पाठक ने न्यायमूर्ति शर्मा को पत्र लिखकर कहा था कि आबकारी मामले की कार्यवाही में उनका कोई वकील नहीं होगा। केजरीवाल ने न्यायमूर्ति शर्मा को पत्र लिखकर कहा था कि वे न्यायाधीश के समक्ष लंबित कार्यवाही में भाग नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता से न्याय मिलने की मेरी उम्मीद खत्म हो गई है। इसलिए मैंने महात्मा गांधी द्वारा दिखाए गए सत्याग्रह के मार्ग पर चलने का फैसला किया है। केजरीवाल के बाद सिसोदिया और पाठक ने भी न्यायमूर्ति शर्मा को पत्र लिखकर सूचित किया कि वे भी उनकी अदालत में बिना वकील के पेश होंगे। न्यायमूर्ति शर्मा ने इससे पहले सीबीआई की याचिका की सुनवाई से खुद को अलग करने से इनकार कर दिया था।

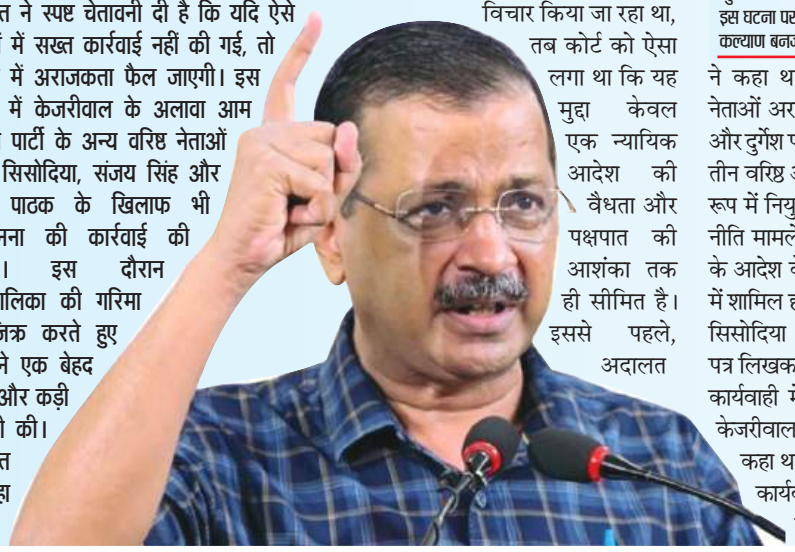

न्यायालय परिसर के बहार लगे चोर-चोर के नारे

सुनवाई समाप्त होने के बाद न्यायालय परिसर के अंदर तनाव की खबर आई। जब ममता बनर्जी उच्च न्यायालय से बाहर निकल रही थीं, तो वकीलों के एक समूह ने कथित तौर पर उन्हें चोर कहकर नारे लगाए। टीएमसी नेताओं और वकीलों द्वारा उन्हें परिसर से सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास के दौरान स्थिति कुछ समय के लिए अराजक हो गई। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कल्याण बनर्जी ने भाजपा से जुड़े वकीलों पर पूर्व मुख्यमंत्री को परेशान करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यदि एक पूर्व मुख्यमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार किया जा सकता है, तो पूरे बंगाल में आम टीएमसी कार्यकर्ताओं को और भी अधिक शत्रुता का सामना करना पड़ रहा होगा।

बार काउंसिल ने मांग ली प्रैक्टिस डिटेल

ममता के वकील की पोशाक में कोर्ट में आने पर बवाल

बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी कलकत्ता उच्च न्यायालय में वकील के गाउन में राज्य में कथित चुनावोत्तर हिंसा से जुड़े एक मामले पर बहस करने के लिए पेश हुईं। वह टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं चंद्रिमा भट्टाचार्य और कल्याण बनर्जी के साथ अदालत पहुंचीं। यह मामला अधिवक्ता शिरशन्या बंद्योपाध्याय द्वारा टीएमसी की ओर से दायर जनहित याचिका से संबंधित है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 26 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद पार्टी कार्यालयों पर हमले हुए और कई टीएमसी कार्यकर्ताओं को हिंसा का सामना करना पड़ा। याचिका के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस से जुड़े होने के कारण कई पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कथित तौर पर हमला किया गया। इसमें यह भी दावा किया गया है कि चुनाव के बाद कई कार्यकर्ताओं को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। यह याचिका 12 मई को कलकत्ता उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गई और मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई।

पंजाब किंग्स को मिली लगातार पांचवीं हार

» कप्तान श्रेयस के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड, मुंबई ने छह विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धर्मशाला। पंजाब किंग्स को मुंबई इंडियंस के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पीबीकेएस की यह लगातार पांचवीं हार है। इस हार के साथ ही कप्तान श्रेयस अय्यर के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। दरअसल, आईपीएल में बतौर कप्तान 200 से ज्यादा रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए सबसे अधिक मैच हारने का अनचाहा रिकॉर्ड श्रेयस अय्यर के नाम हो गया है। 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए अय्यर ने सातवें मैच में हार का सामना किया है। आईपीएल इतिहास में अय्यर के अलावा कोई भी कप्तान 200 प्लस के टारगेट का बचाव करते हुए पांच से ज्यादा मैच नहीं हारा है।

अय्यर ने आईपीएल में 20 ऐसे मुकाबलों में कप्तानी की है, जिसमें उनकी टीम को 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का बचाव करना था। इस दौरान श्रेयस ने 12 मुकाबलों में जीत दर्ज की है, तो सात मुकाबलों में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा है। साल 2022 से कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर ने मुंबई के खिलाफ हार का सामना नहीं किया था, लेकिन गुरुवार को उनका यह शानदार सिलसिला टूट गया। एमआई के खिलाफ बतौर कप्तान अय्यर ने सात मुकाबलों में जीत दर्ज की। आईपीएल में एक टीम के खिलाफ लगातार सर्वाधिक मैच जीतने का रिकॉर्ड गौतम गंभीर के नाम है, जिन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करते हुए पंजाब किंग्स के खिलाफ आठ मैच जीते हैं। हालांकि, श्रेयस ने कहा कि पंजाब किंग्स ने इस मुकाबले में शानदार लड़ाई लड़ी और यह क्रिकेट का एक शानदार मैच रहा। उन्होंने कहा, जाहिर तौर पर इस हार को पचाना काफी मुश्किल है, लेकिन मैं यहां किसी भी परिस्थिति पर उंगली नहीं उठाना चाहता क्योंकि यह क्रिकेट का एक शानदार मैच था। बहुत अच्छा मैच था। उन्होंने (तिलक) कमाल की बल्लेबाजी की। तिलक अपने शॉट्स बहुत अच्छे से चुन रहे थे, और उन्होंने फील्ड को अच्छी तरह से समझकर खेला। इसी वजह से उन्हें श्रेय मिलना चाहिए।

इस सीजन मुंबई के लिए तीन खिलाड़ियों ने की कप्तानी

धर्मशाला। मुंबई इंडियंस के लिए इस सीजन तीन कप्तानों ने टीम की कमान संभाली। पहले नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या नहीं खेल रहे थे तो उनकी जगह कमान सूर्यकुमार यादव ने संभाली। फिर जब सूर्यकु मार यादव नहीं खेल रहे हैं तो पंजाब के खिलाफ मैच में जसप्रीत बुमराह टीम की कप्तानी कर रहे हैं। हार्दिक पांड्या फिलहाल चोटिल हैं और सूर्यकुमार यादव निजी कारणों की वजह से टीम से बाहर हैं। इसलिए बुमराह को टीम की कप्तानी दी गयी है।

महिलाओं के हजार रु. देने में देरी क्यों

» डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन का सीएम विजय पर सीधा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। एक पोस्ट में एमके स्टालिन ने मई महीने की राशि जारी करने में हो रही देरी को लेकर टीवीके सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने लिखा कि मुख्यमंत्री महोदय, मई महीने की कलाकार महिला अधिकार योजना की राशि 15 तारीख तक जमा कर दी जानी चाहिए। मौजूदा योजना को जारी रखने में अब देरी क्यों? आप क्या पुनर्गठन करने की योजना बना रहे हैं? क्या आपने कल ही विधानसभा में यह नहीं कहा था कि द्रविड़ मॉडल सरकार की कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी?

पूर्व मुख्यमंत्री ने गुरुवार को एक पोस्ट में मई महीने की राशि जारी करने में हो रही देरी को लेकर टीवीके सरकार पर सवाल उठाया। इस बीच, सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार महिला लाभार्थियों के खातों में हजार रुपये की मासिक सहायता राशि जारी करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नई सरकार द्वारा वर्तमान राशि को वादे के अनुसार 2500 रुपये तक बढ़ाने तक सहायता राशि में कोई रुकावट न आए। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने सचिवालय में वित्त सचिव और उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पिछली डीएमके सरकार के दौरान महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की गई हजार रुपये की राशि समय पर जारी की जाए।

60 वर्ष तक की सभी महिला मुखियाओं को 2,500 देने के वादे पर किया कटाक्ष

टीवीके के चुनाव प्रचार के दौरान 60 वर्ष तक की सभी महिला मुखियाओं को 2,500 रुपये देने के वादे पर विजय पर कटाक्ष करते हुए स्टालिन ने कहा कि 2,500 रुपये प्रति माह देने की घोषणा के बाद, 1,000 रुपये भी न देकर टालमटोल करना क्या आपका बदलाव कहलाता है? यह बयान तमिलनाडु मुख्यमंत्री कार्यालय के उस बयान के बाद आया है जिसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने आदेश दिया है कि कलाकार महिला अधिकार कोष के तहत मई 26 की राशि जल्द ही लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कर दी जाएगी।

न्याय की मांग को लेकर एलजी से मिलेंगे संजय सिंह

» तीन साल की बच्ची से बलात्कार का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी स्थित एक निजी स्कूल में तीन साल की मासूम बच्ची के साथ हुए कथित यौन उत्पीड़न के मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इस जघन्य अपराध को लेकर एलजी तरनजीत सिंह संधू से मिलने का निर्णय लिया है। संजय सिंह ने कहा कि वह इस मामले में सख्त कार्रवाई और बच्ची को न्याय दिलाने के लिए उपराज्यपाल से मुलाकात का समय मांगेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल बच्ची के लिए न्याय सुनिश्चित करने और मामले में जवाबदेही तय करने के उपायों पर चर्चा करना चाहता है। सिंह ने कहा कि अगर उपराज्यपाल मुलाकात के लिए वक्त नहीं देते हैं, तो पार्टी आगे की कार्रवाई तय करेगी। सिंह का यह बयान ऐसे वक्त आया है जब पार्टी की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने एक दिन पहले महिला पार्षदों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ राज निवास के बाहर इस घटना के विरोध में प्रदर्शन किया था।

स्मृति उपवन पार्क में महात्मा गौतम बुद्ध के चार स्तूप तोड़ने पर आक्रोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण की कानपुर रोड योजना के अंतर्गत आने वाले स्मृति उपवन पार्क में लगभग 25 वर्ष पूर्व लगाए गए महात्मा गौतम बुद्ध के चार स्तूप को निर्माण के दौरान उखाड़ दिया गया है, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है। तत्कालीन राज्यपाल उत्तर प्रदेश सूरजभान द्वारा लगवाए गए इन स्तूपों को पुनः स्थापित करने की मांग उठ रही है।

लोग चाहते हैं कि पार्क के मुख्य गेट के पास लगे इन स्तूपों को फिर से स्थापित किया जाए और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। हम सभी स्थानीय निवासियों यह मांग स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं लखनऊ विकास प्राधिकरण से है कि इस प्रकरण में उचित जांच करा कर कार्रवाई करें।

उन्नाव रेप केस में कुलदीप सिंह सेंगर को सुप्रीम झटका

» दिल्ली हाईकोर्ट के सजा निलंबन के फैसले को पलटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2017 के उन्नाव रेप केस में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित करने वाले दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है। इससे पहले, इस मामले में सीबीआई (सीबीआई) की ओर से दायर एक अपील पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी।

सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट को निर्देश दिया है कि वह दो महीने के भीतर इस मामले पर नए सिरे से फैसला करे। साथ ही, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि हाई कोर्ट अपना नया निर्णय लेते समय सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछला आदेश रद्द किए जाने के फैसले से बिल्कुल भी प्रभावित न हो।

25 लाख का जुर्माना व अतिरिक्त 10 साल की सजा हुई थी

सुप्रीम कोर्ट ने पूरा मामला दिल्ली स्थानांतरित कर दिया। दिसंबर 19 में दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने कुलदीप सिंह सेंगर को नाबालिग से दुष्कर्म का दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई और 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। पिता की मौत के मामले में भी उन्हें अतिरिक्त 10 साल की सजा हुई।

2017 का था मामला : 17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म का आरोप

जून 17 में उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर पर एक 17 वर्षीय किशोरी ने आरोप लगाया कि नौकरी दिलाने के झांसे में उसे अपने घर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने विधायक के प्रभाव के कारण शुरू में मुकदमा दर्ज नहीं किया। मार्च-अप्रैल 18 तक लगातार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होने पर किशोरी ने लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्मदाह का प्रयास किया, जिसके बाद 9 अप्रैल 18 को सेंगर के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हुआ।इस दौरान पीड़िता के पिता को जेल भेज दिया गया, जहां अप्रैल 18 में उनकी मौत हो गई। मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई और जुलाई 18 में कुलदीप सिंह सेंगर को गिरफ्तार कर लिया गया। भाजपा ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया। जुलाई 19 में पीड़िता, उसके वकील और परिवार को ले जा रही कार में एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिसमें पीड़िता की दो रिश्तेदारों की मौत हो गई। परिवार ने इसे सुनियोजित साजिश बताया।

सपा चीफ से मिलीं आजम खां की पत्नी तंजीन फातिमा

» अखिलेश यादव का दुःख बांटने लखनऊ आया परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की पत्नी और उनके बेटे ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। सपा चीफ ने मुलाकात की तस्वीरें भी साझा कीं। सपा चीफ ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा- दुख में सब साथ हैं। सपा चीफ से मिलने के लिए आजम की पत्नी तंजीन फातिमा और उनके बड़े बेटे अदीब आज़म खान पहुंचे।

आजम परिवार ने सपा संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव के निधन के बाद अखिलेश यादव से मुलाकात की।

गुरुवार प्रतीक यादव पंचतत्व में विलीन हो गए। इससे पहे उनकी शव यात्रा के दौरान सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव के बेटे आदित्य यादव ने अर्थी को कंधा दिया। इस दौरान प्रतीक की पत्नी और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की नेता एवं राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, उनकी बेटियों प्रथमा तथा पद्मजा तथा अन्य रिश्तेदारों ने उन्हें अश्रुपूर्ण विदाई दी।

अब 21 जून को पुनः होगी नीट परीक्षा

» पेपर लीक के आरोपों के चलते रद्द हुई थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए ने नीट-यूजी की नई तारीख का एलान कर दिया है। अब यह परीक्षा देशभर में 21 जून को होगी। इससे पहले यह परीक्षा 3 मई को हुई थी। हालांकि, पेपर लीक की आशंका के चलते यह सवालों के घेरे में आ गई थी। अब इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। एनटीए ने कहा था कि जल्द ही परीक्षा की नई तारीखों का एलान कर दिया जाएगा। इसके लिए छात्र-छात्राओं को दोबारा फीस देने की जरूरत नहीं होगी।

इस परीक्षा के जरिए मेडिकल में प्रवेश दिया जाता है। इससे पहले, गुरुवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी नीट-यूजी परीक्षा को दोबारा आयोजित कराने के मुद्दे पर पहली उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी। इस अहम बैठक में शिक्षा मंत्रालय और परीक्षा कराने वाली एजेंसी के कई बड़े अधिकारी शामिल हुए थे।

इस मीटिंग का मकसद यही था कि रद्द हुई परीक्षा को अब नए सिरे से कैसे कराया जाए ताकि आगे कोई भी गड़बड़ी न हो। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि इस बार दोबारा परीक्षा पूरी तरह से पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से हो, जिससे दिन-रात मेहनत करने वाले छात्रों के साथ कोई अन्याय न हो।

एनटीए ने दी जानकारी

परीक्षा की तारीख की घोषणा करते हुए एनटीए ने कहा कि उसने केंद्र सरकार की अनुमति के बाद नीट-यूजी-26 की पुनः परीक्षा रविवार 21 जून 26 को आयोजित करने का निर्णय लिया है। परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अनुरोध है कि वे केवल एनटीए के आधिकारिक माध्यमों पर ही भरोसा करें।

आज आंधी के बाद बारिश की चेतावनी

» दिल्ली, यूपी से पंजाब में गर्मी से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर के साथ उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में आज बारिश देखने को मिल सकती है। बीते दिन तेज आंधी नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली में देखने को मिली थी। इसके बाद आज बारिश होने के आसार हैं। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में 15 मई और 16 मई को बारिश हो सकती है।

दिल्ली, उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में भी हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में भी 15 मई को बारिश होने की संभावना है। राजस्थान में कल बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया था.इस दौरान सावधान रहने की जरूरत है।

मौसम विभाग ने 10 राज्यों के लिए भीषण बारिश और आंधी-तूफान को लेकर पहले ही आगाह कर दिया है। इन राज्यों में न सिर्फ तेज बारिश देखने को मिल सकती है बल्कि आंधी-तूफान भी आ सकता है। इस दौरान 70 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। दिल्ली में 14 मई की तेज गर्मी के बाद आज हल्के बादल छाए रहने और आंधी-तूफान के साथ ही छिटपुट बारिश भी हो सकती है.पूर्वोत्तर भारत को भी बारिश से राहत मिलती नहीं दिख रही है. मणिपुर, नगालैंड और मिजोरम और त्रिपुरा के लोग भी 17 मई तक हल्की से मध्यम बारिश का सामना कर सकते हैं. वहीं 18 मई तक असम और मेघालय का हाल भी कुछ ऐसा ही रहने वाला है.। बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव क्षेत्र बनने की वजह से मौसम विभाग के मुताबिक ने तमिलनाडु में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं 15 मई 26 को कोयंबटूर और नीलसगिरी में भारी बारिश हो सकती है। केरल में 15-17 मई तक बारिश हो सकती है। वहीं कर्नाटक, पुडुचेरी और कराईकल में भी 18 मई तक बारिश और आकाशीय बिजली की संभावना है।

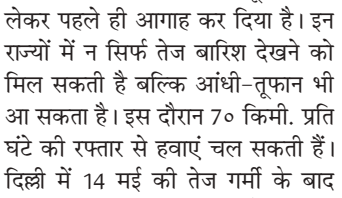

स्मृति उपवन घोटाले में अब अफसरों की जवाबदेही पर उठा सवाल

आईजीआरएस शिकायत में एलडीए ने स्वीकार की अनियमितता लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई अब तक नहीं

» जब विभाग ने खुद मान लिया घटिया निर्माण तो फिर उद्यान अधिकारी पर कार्रवाई क्यों नहीं?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । लखनऊ विकास प्राधिकरण की कानपुर रोड योजना के अंतर्गत स्मृति उपवन पार्क में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर उठे सवाल अब सिर्फ घटिया निर्माण तक सीमित नहीं रह गए हैं। मामला अब सीधे-सीधे विभागीय जवाबदेही, संरक्षण और सरकारी सिस्टम की कार्यशैली पर आकर टिक गया है। सबसे बड़ा और चौंकाने वाला तथ्य यह है कि जिस शिकायत को पहले सामान्य बताकर दबाने की कोशिश की जा रही थी उसी शिकायत पर अब विभाग ने खुद स्वीकार किया है कि निर्माण कार्य में खामियां थीं।

आईजीआरएस पर दर्ज शिकायत के निस्तारण में उद्यान विभाग ने लिखित रूप से यह माना कि संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया है और उसके भुगतान पर रोक लगाने की कार्रवाई की गई है। विभाग स्वयं यह मान चुका है कि निर्माण कार्य में गड़बड़ी हुई। लेकिन यहीं से सबसे बड़ा सवाल पैदा होता है कि अगर काम घटिया

रातों-रात बदलता प्लास्टर बहुत कुछ कह रहा है

इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चर्चा उस बात की हो रही है कि जब मीडिया में खबरें सामने आईं, उसके बाद रातों-रात निर्माण कार्यों में बदलाव शुरू हो गया। कई जगहों पर प्लास्टर बदला गया निर्माण सामग्री हटाई गई और काम को नए तरीके से दिखाने की कोशिश की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर काम पूरी गुणवत्ता के साथ हुआ था, तो फिर अचानक इतनी हड़बड़ी क्यों दिखाई गई? आखिर ऐसी कौन-सी मजबूरी थी कि रात के अंधेरे में निर्माण सुधारने की कवायद शुरू हो गई? यही घटनाक्रम अब इस आशंका को और मजबूत करता है कि कहीं न कहीं विभाग के भीतर भी लोगों को यह एहसास था कि काम मानकों के अनुरूप नहीं हुआ है।

क्या अधिकारी सिर्फ कुर्सी पर बैठने के लिए हैं?

सरकारी निर्माण कार्यों में हर काम की निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारी तैनात किए जाते हैं। योजनाएं बनती हैं, बजट स्वीकृत होता है, तकनीकी परीक्षण होते हैं और हर स्तर पर हस्ताक्षर किए जाते हैं। ऐसे में अगर करोड़ों रुपये के विकास कार्यों में घटिया सामग्री लग रही थी, पीली ईंटें इस्तेमाल हो रही थीं, प्लास्टर टूट रहा था और मानकों की अनदेखी हो रही थी, तो क्या यह सब बिना अधिकारियों की जानकारी के हो रहा था? यही सवाल अब शिकायतकर्ता ने उठाया है। शिकायत में साफ तौर पर कहा गया है कि यदि विभाग को घटिया निर्माण की जानकारी थी और उसने इसे स्वीकार भी कर लिया, तो फिर उस सहायक उद्यान अधिकारी पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई जिसके संरक्षण में यह पूरा काम कराया जा रहा था। शिकायतकर्ता ने सहायक उद्यान अधिकारी करण सिंह का नाम लेते हुए मांग की है कि सिर्फ ठेकेदार पर कार्रवाई दिखाकर मामले को खत्म न किया जाए, बल्कि उन अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय की जाए जो इस पूरे निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे थे।

जनता के टैक्स का पैसा लेकिन जवाबदेही शून्य

सबसे दुखद पहलू यह है कि जिन विकास कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, वह पैसा किसी अफसर या ठेकेदार की जेब से नहीं आता। यह जनता के टैक्स का पैसा होता है। आम आदमी अपनी कमाई से टैक्स देता है ताकि शहर बेहतर बने, पार्क विकसित हों और सार्वजनिक सुविधाएं मजबूत हों। लेकिन जब उसी पैसे से घटिया निर्माण होने लगे और शिकायतों के बावजूद सिर्फ छोटे स्तर पर कार्रवाई का दिखावा किया जाए, तब जनता का विश्वास टूटता है। प्रश्न सिर्फ एक पार्क का नहीं है। प्रश्न उस व्यवस्था का है जिसमें ठेकेदार तो बदल जाते हैं लेकिन जिम्मेदार अफसर हर बार बच निकलते हैं। शिकायतकर्ता ने अपने प्रार्थना पत्र में उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए साफ कहा है कि यदि जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में भी ऐसे ही घटिया निर्माण होते रहेंगे। यह मांग सिर्फ व्यक्तिगत नाराजगी नहीं बल्कि व्यवस्था सुधारने की मांग है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com |website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा